Nai Dunia (Indore), 1st September 2026, *Naidunia* City, Page-IV

समस्या का पता लगते ही समाधान करना जरूरी

- आइआइटी इंदौर में 'संवर्धन' कार्यशाला का समापन
- कई महत्वपूर्ण विषयों पर वक्ताओं ने व्यक्त किए अपने विचार

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण को लेकर दो दिवसीय 'संवर्धन' कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ। इसका विषय 'शैक्षणिक उत्कृष्टता से सतत कल्याण की ओर' रखा गया था। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से जुड़ी मानसिक और सामाजिक समस्याओं की पहचान, समय पर सहायता, जीवन कौशल, सहपाठी मार्गदर्शन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। छात्रावासों की भूमिका और विद्यार्थियों को आपस में जोड़ने वाली गतिविधियों पर भी अनुभव बताए गए।

सोमवार को विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं की पहचान, चेतावनी संकेतों को समझने और मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे।

समय पर सहायता देना बेहद जरूरी: उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में किसी समस्या के शुरुआती संकेत मिलने पर समय पर सहायता देना बेहद जरूरी है। पूर्व निदेशक प्रो. राजीव संगल ने 'समग्र कल्याण : मार्गदर्शन नेटवर्क की आवश्यकता' विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ उनके व्यक्तिगत और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है।



कार्यशाला में विद्यार्थियों से जुड़ी समस्या को लेकर विशेषज्ञों ने की चर्चा। • सौजन्य संस्था

समापन सत्र में आइआइटी इंदौर निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने संस्थानों में ऐसा माहौल विकसित करने पर जोर दिया। जहां विद्यार्थी बिना झिझक अपनी समस्याएं साझा कर सकें और उन्हें समय पर सहयोग मिल सके। इसमें गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, पंजाब और मध्य प्रदेश के 21 उच्च शिक्षण संस्थानों के 94 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य कालेज व विवि परिसरों में बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार करना रहा।